Nai Dunia (Indore), 22nd September 2022, Page – 05

युवा पीढ़ी को पता होना चाहिए कि भारत किस अंतरराष्ट्रीय स्थिति में

उद्‌बोधन ● आइआइटी में पूर्व राजदूत मंजीव सिंह का व्याख्यान

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में 'भारत की वैश्विक नियति के साथ प्रयास' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। पूर्व राजदूत मंजीव सिंह पुरी मुख्य वक्ता थे। इंडिया-75 विदेश नीति विशिष्ट व्याख्यान शृंखला के तहत पुरी ने भारत के अतीत के गौरव और वर्तमान समय के साथ इसके जुड़ाव के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को पता होना चाहिए कि भारत किस अंतरराष्ट्रीय स्थिति में है। इससे सभी देशवासियों को हमारे देश के अतीत और भविष्य से जुड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने भारत की वैश्विक नियति की व्यापक तस्वीर के बारे में बात की। जनसांख्यिकी और मानव क्षमता के महत्ता पर जोर दते हुए कहा कि हमारे पास भारत को महान सामाजिक आर्थिक शक्ति में बदलने की क्षमता है। भारत जिस गति से आगे बढ़ रहा है, उससे अंदाजा लगा सकते हैं कि 2024 में हम एक महान आर्थिक शक्ति के रूप में उभरेंगे। मुख्य वक्ता ने आइआइटी परिसर में पौधारोपण भी किया। आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के क्षेत्र में निरंतर ज्ञान साझा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में संस्थान के अंतरराष्ट्रीय संबंध के कार्यवाहक डीन और संयोजक प्रो. रघुनाथ साहू और अन्य सदस्य भी शामिल थे।

आइआइटी इंदौर में विचार व्यक्त करते पूर्व राजदूत मंजीव सिंह पुरी। ● सौ. आयोजक